एक तम्मना बाबा मेरी | By Vijay Soni |

एक तम्मना बाबा मेरी -2
दिल में बसा लू सूरत तेरी -2
हर पल उसी को निहारा करू में -2
श्याम श्याम मुख से उचारा करू मैं -2 …..2

रोज सवेरे, उठ कर बाबा, तुझ को शीश नवाऊँ मैं -2
प्रेम भाव से, भांति भांति का, नित श्रृंगार सजाऊ मैं -2
हातो से आरती, उतारा करू मैं -2
श्याम श्याम मुख से, उचारा करू मैं -2

तन मन से, जो काम करु मैं, सब तुझको अर्पित हो -2
पाउ वो, प्रसाद हो तेरा, पिऊ वो चरणामृत हो -2
चरणों में तेरे, गुजारा करू में -2
श्याम श्याम मुख से उचारा करू मैं -2

कण कण में ह, वास तुम्हारा, ये संसार तुम्हारा ह -2
मेरे बाबा, ये जग सारा, ही दरबार तुम्हारा ह -2
सब में ही दरसन, तुम्हारा करू मैं -2
श्याम श्याम मुख से, उचारा करू मैं -2

भक्तो की विनती, ये बाबा, इतनी किरपा कर देना -2
चरणों की सेवा, मिल जाये, इससे बढ़ कर क्या लेना -2
असूअन से इनको पखारा करू मैं -2
श्याम श्याम मुख से उचारा करू मैं -2

एक तम्मना बाबा मेरी -2
दिल में बसा लू सूरत तेरी -2
हर पल उसी को निहारा करू में -2
श्याम श्याम मुख से उचारा करू मैं -2

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%8f%e0%a4%95-%e0%a4%a4%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%ae%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-vijay-soni/